आयुक्त ने 20 तक ऐसे सभी अवैध भवनों को चिन्हित करने को कहा

अवैध भवन, अतिरिक्त निर्माण करने वालों पर होगी कार्रवाई, नगरीय प्रशासन विभाग ने ऐसे अवैध मकानों को चिन्हित करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र के नगरीय निकायों में अवैध या भवन अनुज्ञा लिए बगैर या फिर भवन अनुज्ञा के अतिरिक्त निर्माण करने वाले रहवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर प्रशासन एवं विकास विभाग ने सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों से कहा है कि ऐसे सभी मकानों को चिन्हित करें। यदि बहुमंजिला भवन बन गए हैं तो ऐसे भवनों की शिनाख्त कर नियमों के तहत कार्रवाई करें। इसमें किसी भी तरह की कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने सभी नगरपालिक निगमों के आयुक्त और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अवैध अथवा अनुज्ञा लिए बिना किए गए अतिरिक्त निर्माण को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए यह जरूरी है कि नगरीय निकाय क्षेत्र में ऐसे निर्माणाधीन भवनों विशेषकर बहुमंजिला एवं ऊंचे भवनों को तत्काल चिन्हित किया जाए, जिनमें अनुज्ञा एवं स्वीकृत मानचित्र के विपरीत अथवा अनुज्ञा के बिना ही भवन निर्माण किया जा रहा है।

बहुमंजिला भवन बनते समय ही निरीक्षण करें

आयुक्त श्रीवास्तव ने कहा है कि भवन अनुज्ञा जारी होने के बाद भवन का निर्माण, अनुज्ञा एवं स्वीकृत मानचित्र के अनुसार हो रहा है या नहीं, यह सुनिश्चित करने के लिए मप्र भूमि विकास नियम- 2012 में भवन निर्माण के विभिन्न चरण प्लिन्थ, लिन्टल आदि स्तर के कार्य पूर्ण होने पर नगर पालिका के तकनीकी अमले की ओर से पर्यवेक्षण करने का प्रावधान है, जिसका पूर्णतः पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण पाए जाने पर अधिनियम के प्रावधान से तत्काल कार्रवाई शुरू करें।

प्रत्येक माह की 7 तारीख तक पेश करें प्रतिवेदन

आयुक्त श्रीवास्तव ने कहा कि 20 सितम्बर तक ऐसे सभी अवैध निर्माणाधीन भवनों को चिन्हित करें और अधिनियम के प्रावधान से तत्काल कार्रवाई करें। कार्रवाई का प्रथम प्रतिवेदन 20 सितम्बर तक संचालनालय भेजें और प्रत्येक माह की 7 तारीख तक पिछले माह की कार्रवाई का प्रतिवेदन निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराएं। यह जानकारी संचालनालय के कालोनी सेल ई-मेल आईडी में भी उपलब्ध कराएं।

पूर्णता प्रमाण पत्र तथा भवन के अधिभोग की अनुज्ञा भी जरूरी

नपा परिषद और नगर परिषद क्षेत्र में मप्र नपा अधिनियम 1961 की धारा 187 के उपबन्ध अनुसार भवन निर्माण की अनुज्ञा प्रदान की जाती है। भवन निर्माण अनुज्ञा में मप्र नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 के उपबन्धों एवं मप्र भूमि विकास नियम 2012 के सभी सुसंगत प्रावधानों का पालन किया जाना अनिवार्य है। भवन निर्माण अनुज्ञा एवं स्वीकृत मानचित्र के अनुसार भवन का निर्माण सुनिश्चित करने एवं भवन निर्माण पूर्ण होने पर अधिनियम की धारा 191 के उपबन्ध अनुसार पूर्णता प्रमाण पत्र तथा भवन के अधिभोग की अनुज्ञा भी आवश्यक है।

इस तरह के निर्माण बहुतायत हैं इन पर कार्रवाई करें

श्रीवास्तव ने कहा कि यह देखने में आया है कि नगरीय निकाय क्षेत्र में ऐसे कई भवन निर्मित और निर्माणाधीन है, जिनमें स्वीकृत एफएआर से अधिक एवं स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण किया गया है। अधिनियम में पर्याप्त प्रावधान होने पर भी नगरीय निकाय के अधिकृत अमले की ओर से यथा समय कोई भी कार्रवाई नहीं की जाती है। इससे इस तरह के निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। इसके अलावा भवन निर्माण पूर्ण होने पर भवन पूर्णता प्रमाण पत्र एवं अधिवास की अनुज्ञा प्राप्त किए बिना ही भवनों को उपयोग में लाया जा रहा है, जो अधिनियम के विपरीत है। अधिनियम के विपरीत निर्मित भवन एवं इनके अनाधिकृत उपयोग से अग्नि दुर्घटनाओं की संभावना भी रहती है।

ओंकारेश्वर में भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में बोले मुख्यमंत्री

सरकार की योजनाएं प्रदेश के हर किसान तक पहुंचाने में किसान मोर्चा सेतु बनेः शिवराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को ओंकारेश्वर में कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के लिए बहुत काम कर रही है। उन्हें सरकार की योजना का शत प्रतिशत लाभ मिले,इसके लिए भाजपा किसान मोर्चा को काम करना होगा। सरकार के द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित रहे। किसानों को कोई असुविधा न हो इस बात की चिंता मोर्चा करे। मुख्यमंत्री बुधवार को भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सीएम ने अन्य नेताओं के साथ भूमि सुपोषण अभियान-चलो खेत की ओर का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मप्र की धरती पर आगमन हो रहा है। इस दिन से प्रदेश सरकार 31 अक्टूबर तक अभियान चलाएगी और जो गरीब सरकार की योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह गये हैं, उनके नाम अभियान के माध्यम से जोड़ेगी। किसान मोर्चा पात्र हितग्राहियों के नाम जुड़वाने का काम करें। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं हर किसान तक पहुंचाने में मोर्चा सेतु बने।

किसान मोर्चा मप्र का काम अद्भुत : चाहर

किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने कहा कि भाजपा एक विचार को लेकर चलने वाली पार्टी है। हम एक विचार लेकर चले हैं और लगातार आगे बढ़ रहे हैं। यही वजह है कि आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है, जबकि देश में तमाम विपक्षी पार्टियां परिवारवाद को बढ़ावा देने की वजह से लगातार पिछड़ रही हैं। चाहर ने कहा कि किसान मोर्चा मप्र का काम बड़ा अद्भुत है। जब हम राष्ट्रीय स्तर पर किसी कार्य योजना की घोषणा करते हैं, तो मप्र में वह तत्काल प्रारंभ हो जाती है। जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण गौ आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए और भूमि सुपोषण की दृष्टि से शुरू किया गया 'चलो खेत की ओर' अभियान है। उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा को गांव-गांव में पहुंचाना है, ताकि हर चौपाल, हर खेत और हर घर तक केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाएं।

नकली खाद-बीज बेचने वालों पर लगातार हो रही कार्रवाईः पटेल

प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प किसानों की आय को दोगुना की दिशा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बन रहा है। प्रदेश में नकली खाद, बीज बेचने वालों के ऊपर लगातार छापामार कार्रवाई की जा रही है।

मध्यप्रदेश को बीमारू से विकसित राज्य बनाया मुख्यमंत्री चौहान ने : विष्णुदत्त

प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पहले मप्र बीमारू राज्य था, उसको विकसित राज्य बनाने का काम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया है। पहले प्रदेश में 7 लाख हेक्टयर भूमि सिंचित थी, आज 42 लाख से अधिक भूमि कृषि हेतु सिंचित है। आज हर गांव तक पक्की सड़क, हर खेत को पानी और हर घर में बिजली उपलब्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस सरकार थी, तब से लगातार कृषि कर्मण अवार्ड प्रदेश की भाजपा सरकार को मिलना, यह दर्शाता है कि मध्यप्रदेश में कृषि को लेकर जितने कार्य हुए हैं, उतने किसी भी राज्य में नहीं हुए।

साल भर चलेगा अभियान

किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रेरित करने के लिए भूमि सुपोषण अभियान-चलो खेत किसान मोर्चा का यह अभियान पूरे वर्ष चलेगा, जिसके अंतर्गत मोर्चा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी किसानों को गौ आधारित प्राकृतिक खेती के लिए भी प्रोत्साहित करेंगे। नेताओं ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने, प्राकृतिक खेती के लिए किसान मोर्चा की आगामी कार्य योजना पर प्रकाशित पुस्तक 'किसान दर्पण' का विमोचन किया।

संगठन विस्तार के लिए प्रवास करें : हितानंद

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने कहा कि कुशाभाऊ ठाकरे ने मप्र के संगठन को एक अलग पहचान दी है। प्रभार के जिले में बार-बार प्रवास पर जाने से कार्यक्रम मिलेंगे। कर्म की दृष्टि से ही प्रवास किए जाने चाहिए जो उपलब्ध है उसे अच्छा तो बनाना ही है साथ ही साथ वहां तक हमें संगठन को पहुंचाना है।

सीएम की महाजन से मुलाकात

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुख्यमंत्री निवास में बुधवार को पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने सौजन्य भेंट की।

स्मार्ट पार्क में पौधरोपण

मुख्यमंत्री ने सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ स्मार्ट पार्क में रोपे पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में उद्देश्य युवा सामाजिक एवं जन कल्याण समिति के सदस्यों के साथ पौध-रोपण किया। मुख्यमंत्री ने नीम, सप्तपर्णी और कचनार के पौधे लगाए। पौधरोपण में समिति के भानु प्रताप, मनीष कोली, भगवती घिरमोरे, रवि परमार, भव्य सक्सेना, लकी चौबे, आशुतोष पाठक, और गुणदीप सिंह देओल सम्मिलित हुए। चौहान के साथ इटारसी के श्री उमेश चंद्र वर्मा ने भी अपने जन्म-दिवस के अवसर पर पौधा लगाया।

बिशप के घर ईओडब्ल्यू का छापा, 1.65 करोड़ रु. कैश व 18 हजार डॉलर मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) की टीम ने गुरुवार सुबह जबलपुर में 'द बोर्ड ऑफ एजुकेशन चर्च ऑफ नार्थ इंडिया' के चेयरमैन बिशप पीसी सिंह के घर और ऑफिस पर दबिश दी। शुरुआती पड़ताल में उनके घर से 1 करोड़ 65 लाख रुपए नकद के अलावा 18 हजार यूएस डॉलर (करीब 14.35 लाख रुपए) भी मिले हैं। कैश गिनने के लिए मशीन मंगवानी पड़ी। उनके पास 9 लग्जरी कारें, 32 घड़ियां और 2 किलो सोना भी मिला है। हालांकि बिशप पीसी सिंह घर पर नहीं मिले, वे फिलहाल जर्मनी में हैं। घर में उनका बेटा मिला। बिशप पर सोसायटी के स्कूलों को फीस के रूप में मिले ढाई करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले का आरोप है। जिसे उन्होंने निजी कामों में खर्च किया और धार्मिक संस्थानों को ट्रांसफर कर दिया। इसके अलावा उन पर संस्था का मूल नाम, खुद की मर्जी से बदलकर चेयरमैन की कुर्सी पर काबिज होने का आरोप भी है।

बिशप ने किया 2.7 करोड़ का फीस घोटाला

ईओडब्ल्यू एसपी देवेंद्र सिंह ने बताया कि 'द बोर्ड ऑफ एजुकेशन चर्च ऑफ नार्थ इंडिया डायोसिस' के चेयरमैन बिशप पीसी सिंह और तत्कालीन असिस्टेंट रजिस्ट्रार बीएस सोलंकी के खिलाफ शिकायत मिली थी। इन दोनों पर 2.7 करोड़ के फीस घोटाले का आरोप है। दरअसल संस्था को अलग-अलग शैक्षणिक संस्थाओं में पढ़ रहे स्टूडेंट्स की फीस से करीब 2.7 करोड़ रुपए मिले थे। चेयरमैन बिशप पीसी सिंह ने इन पैसों को धार्मिक संस्थाओं को ट्रांसफर और खुद के निजी कामों में खर्च करके पद का दुरुपयोग किया।

खोज रहे गबन के दस्तावेज

ईओडब्ल्यू अफसरों ने बताया कि दबिश के दौरान संस्था के चेयरमैन के गबन के दस्तावेज, टीम खोज रही है। उन पर आरोप है कि उन्होंने संस्था का मूल नाम भी बिना अधिकृत स्वीकृति के खुद ही बदल दिया। साथ ही वह अपनी मर्जी से संस्था के चेयरमैन बन गए।

इंदौर में व्यापारी से रंगदारी मांगने पर पकड़ाई

एमीपीएससी क्लियर न कर सकी तो बनी फर्जी एसडीएम... मांगने लगी रंगदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

इंदौर में फर्जी एसडीएम बनकर व्यापारी से रंगदारी मांगने वाली महिला को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा है। उसके पास राज्यपाल मंगुभाई पटेल के साइन किया हुआ फर्जी लेटर भी मिला है। क्राइम ब्रांच इसकी जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि वह एमीपीएससी क्लियर न कर सकी तो उसने फर्जी अफसर बनकर लोगों को ठगना शुरू कर दिया। व्यापारी की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

व्यापारी से सामान लिया, रुपए मांगे तो बोली- जेल भिजवा दूंगी, व्यवसायी ने की शिकायत

डीसीपी निमिष अग्रवाल ने बताया कि खुद को एसडीएम बता रही महिला का नाम नीलम पाराशर(40) है। वह खुद को देपालपुर इलाके की एसडीएम बताती थी। इसके चलते यहां पर वह कई लोगों से रंगदारी मांगती थी। गौतमपुरा के एक व्यापारी की शिकायत के बाद उसे क्राइम ब्रांच ने पकड़ा है। महिला कुछ दिन पहले खरीदारी करने पहुंची थी। सामान लेने के बाद व्यापारी ने बिल चुकाने को कहा तो रुपए देने के बजाय उसे जेल भिजवाने की धमकी दे डाली। जानकारी मिली है कि उसने महिला बाल विकास और पीडब्लयूडी जैसे विभागों में भी नियुक्ति के नाम पर लोगों से रुपए ऐंठे हैं। उसके पास राज्यपाल मंगू भाई के साइन वाला नियुक्ति पत्र भी मिला है।

बोलने-काम करने का लहजा अफसरों जैसा

क्राइम ब्रांच के मुताबिक फर्जी महिला एसडीएम एमपीपीएससी के जरिए राज्य प्रशासनिक अधिकारी पद के लिए तैयारी कर रही थी, लेकिन वह सिलेक्ट नहीं हो पाई। उसने कई अधिकारियों को देखने के बाद उनके ही लहजे में ही काम करना शुरू कर दिया। उसके बोलने और चलने फिरने के साथ रहन-सहन पूरा अधिकारियों जैसा दिखता है। अभी यह जांच की जा रही है कि इतने नियुक्ति पत्र और लेटर उसके पास कहां से आए थे।

लव जिहाद का माध्यम बन गए थे गरबा पंडाल जो आए आई कार्ड लाएं

ग्वालियर। शिवराज सरकार में संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर ने लव जिहाद और गरबा पंडाल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गरबा पंडाल लव जिहाद का बड़ा माध्यम बन चुके थे, इसलिए बहुत जरूरी है कि कोई भी व्यक्ति गरबे में अपनी पहचान छिपाकर नहीं आए। पंडाल में आने वाले हर व्यक्ति को आई कार्ड देखकर ही एंट्री दें। ये सभी आयोजकों को तय करना चाहिए। ग्वालियर पहुंची मंत्री ठाकुर ने कहा- अब गरबा पंडाल में जो भी आएगा, अपना आईडी कार्ड लेकर ही आए। सभी आयोजकों को यह सलाह भी है चेतावनी भी।

फॉर्च्यून इंटरनेशनल लिमिटेड
पंजी. कार्यालय : जी-4, कम्यूनिटी सेंटर, नारायणा विहार, नई दिल्ली-110028
Tel: 011-25774212-214, 25771629; Email id: rekha.srivastava2016@gmail.com
CIN: L52324DL1981PLC012033

40वीं वार्षिक सामान्य बैठक, बुक क्लोजर और ई-वोटिंग जानकारी की सूचना

एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि एजीएम सूचना में विनिर्दिष्ट अनुसार बिजनेस का सम्पादन करने के लिये **फॉर्च्यून इंटरनेशनल लिमिटेड** के शेयरधारकों की 40वीं वार्षिक सामान्य बैठक शुक्रवार 30 सितम्बर 2022 को पूर्वा. 10.00 बजे अमराई फार्म्स, खसरा नं. 375, गांव कापसहेड़ा, निकट पुलिस चौकी, पुरानी दिल्ली-गुड़गांव रोड, कापसहेड़ा, नई दिल्ली-110037 में आयोजित की जाएगी।

सेबी अधिसूचना सं. SEBI/HO/CFD/CMD2/CIR/ P/2022/62 दिनांक 13 मई 2022 के अनुसार 40वीं एजीएम की सूचना और वर्ष 2021-22 हेतु वार्षिक रिपोर्ट की इलैक्ट्रोनिक प्रतियां सभी शेयरधारकों को जिनके ई-मेल आईडी कम्पनी के आरटीए, पूर्वा शेयर रजिस्ट्री (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड के पास पंजीकृत हैं, को भेज दी गई हैं। इसके अतिरिक्त, शेयरधारक जिनके ई-मेल आईडी कंपनी के पास पंजीकृत नहीं हैं, वार्षिक रिपोर्ट की प्रति या तो कंपनी की वेबसाइट (http://fortuneinternational.in) पर अथवा बीएसई की वेबसाइट (http://www.bseindia.com) पर प्राप्त कर सकते हैं।

एजीएम के प्रयोजन हेतु कम्पनी के सदस्यों का रजिस्टर और शेयर ट्रांसफर बुक्स शनिवार, 24 सितम्बर 2022 से शुक्रवार, 30 सितम्बर 2022 तक दोनों दिन मिलाकर बंद रहेंगे।

सदस्यों को एनएसडीएल द्वारा एजीएम के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान से इलैक्ट्रोनिक वोटिंग प्रणाली (दूरस्थ ई-वोटिंग) का उपयोग करते हुये 40वीं एजीएम की सूचना में विनिर्दिष्ट अनुसार सभी प्रस्तावों पर अपना मत देने की सुविधा प्रदान की गई है। सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि :-

- 40वीं एजीएम सूचना में विनिर्दिष्टानुसार सामान्य बिजनेस का सम्पादन इलैक्ट्रोनिक साधनों द्वारा मतदान के माध्यम से किया जा सकता है।
- दूरस्थ ई-वोटिंग सुविधा मंगवार 27 सितम्बर 2022 (पूर्वा. 9.00 बजे आईएसटी) से आरम्भ होगी और बृहस्पतिवार 29 सितम्बर 2022 (अप. 5.00 बजे आईएसटी) को समाप्त होगी। उपरोक्त तिथि व समय के उपरांत दूरस्थ ई-वोटिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- इलैक्ट्रोनिक साधनों द्वारा मत देने की पात्रता निर्धारित करने के लिये कट ऑफ तिथि 23 सितम्बर 20222 है।
- कोई व्यक्ति जो कम्पनी के शेयर अर्जन करता है और वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना के प्रेषण के पश्चात् कम्पनी का सदस्य बनता है और कटऑफ तिथि अर्थात् 23 सितम्बर 2022 के अनुसार शेयरधारण करता है, evoting@nsdl.co.in पर एक आग्रह भेजकर लॉगइन आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। यद्यपि, यदि कोई व्यक्ति ई-वोटिंग हेतु एनएसडीएल के पास पहले से ही पंजीकृत है तो वह अपना मत देने के लिये अपना मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर सकता है।
- सदस्य नोट करें कि (ए) एजीएम में मत पत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी, (बी) जिन सदस्यों ने दूरस्थ ई-वोटिंग के माध्यम से एजीएम से पहले अपना मतदान कर दिया है वे एजीएम में भी उपस्थित हो सकते हैं किन्तु वे अपना मत पुनः देने के पात्र नहीं होंगे, (सी) जिस व्यक्ति का नाम सदस्यों के रजिस्टर या डिपॉजिटरीज द्वारा मेनटेन किये गये लाभप्राप्तकर्ता मालिकों के रजिस्टर में कट ऑफ तिथि के अनुसार दर्ज है केवल वे ही दूरस्थ ई-वोटिंग के साथ-साथ मत पत्र के माध्यम से एजीएम में वोट देने की सुविधा का लाभ उठाने के हकदार होंगे।
- 40वीं एजीएम की सूचना कम्पनी और बीएसई की वेबसाइट www.fortunein-ternational.in/www.bseindia.com पर डाउनलोड हेतु उपलब्ध है।
- किसी पूछताछ के सम्बन्ध में आप सदस्यों हेतु बारम्बार पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यूएस) और www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड सेक्शन पर उपलब्ध सदस्यों हेतु दूरस्थ ई-वोटिंग यूजर मैनुअल देख सकते हैं या टोलफ्री नं. 1800-222-990 पर कॉल कर सकते हैं।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते फॉर्च्यून इंटरनेशनल लिमिटेड
हस्ता/-
निवेदन भारद्वाज
प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-00040191)

दिनांक : 08.09.2022
स्थान : नई दिल्ली

रायगढ़ के ओमप्रभु बने नीट स्टेट टॉपर

रायगढ़। रायगढ़ के ओमप्रभु साहू नीट में छत्तीसगढ़ टॉपर बन गए हैं। उन्हें 720 अंक और 99.9 परसेंट हासिल हुए हैं। ओम की ऑल इंडिया रैंकिंग 44 है। ओमप्रभु ने बताया कि उन्होंने घर में ही रहकर ऑनलाइन पढ़ाई करते हुए नीट की तैयारी की है। ओमप्रभु साहू ने अपने सक्सेस का क्रेडिट अपने बड़े भाई और बहनों को दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी बड़ी दीदी स्नेहा साहू भुवनेश्वर में डेंटिस्ट हैं, जबकि एक भाई और बहन हैदराबाद में आईआईटी कर रहे हैं। उनसे मार्गदर्शन लेकर ही उन्होंने नीट की तैयारी की थी। ओमप्रभु ने नीट की तैयारी कर रहे छात्रों को सक्सेस मंत्र देते हुए कहा कि कभी किसी भी टॉपिक से डरना या घबराना नहीं चाहिए।

कुल 20 चीते बढ़ाएंगे कूनो अभयारण्य की शोभा

नामीबिया, दक्षिण अफ्रीकी चीतों के लिए कूनो तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अलग खबर

दक्षिण अफ्रीका से आने वाले 12 चीतों के रखरखाव से लेकर कूनों अभ्यारण के मौसम आदि का अध्ययन करने दो सदस्यीय टीम कूनो मप्र पहुंची। टीम ने चीतों के रखे जाने वाले भौगोलिक क्षेत्र, खाने-पीने से लेकर अन्य तरह की तैयारियों का अध्ययन किया। इस वर्ष (दिसंबर) तक में कुल 12 चीते कूनो अभ्यारण में पहुंचेंगे। इसमें से नामीबिया से आने वाले 8 चीते शामिल हैं। इन चीतों के रखरखाव की पूरी तैयारी कूनों अभ्यारण में हो चुकी है।

पहले इनक्लोजर में रखेंगे, इसके बाद खुले में छोड़ेंगे

नामीबिया से आने वाले इन चीतो को दो से तीन सप्ताह तक इनक्लोजर में रखा जाएगा। यानी सीमित क्षेत्र में उन्हें वातावरण से तालमेल बिठाने के लिए रखा जाएगा। इसके बाद 60-70 हेक्टेयर क्षेत्रफल में खुले में छोड़ा जाएगा। उन सभी चीतों में कॉलर आईडी लगाया जाएगा, ताकि जंगल में कहीं भटकेंगे तो इसकी जानकारी तत्काल वन महकमे को मिल जाएगी। इसके लिए ट्रैकिंग सिस्टम को अपडेट किया गया है। यह भी संभावना है कि यह चीते जंगल से बाहर आ जाएं, इसके लिए भी तैयारी की गई है।

चीतों के भोजन के लिए खासतौर पर होगा इंतजाम

इन चीतों को अभी हिरन फैमिली का ही एक छोटा जानवर इंपाला खासा पसंद है। किंतु यहां भारत में इंपाला नहीं पाए जाते। ऐसे में चीतों को जहां रखा जाएगा, वहां बड़ी संख्या में हिरन छोड़े जाएंगे। यह हिरन भी लगभग उसी प्रजाति के हैं। इससे चीते आसानी से शिकार कर अपना भोजन जुटा सकेंगे। वन विभाग इन चीतों के खानपान पर विशेष सतर्कता बरतने की तैयारी कर रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि यह चीते विदेशी हैं और भारत में उन्हें लाया जा रहा है। ऐसे में यहां के मौसम के अनुकूल चीते ढल पाएंगे या नहीं, इसका अध्ययन भी कराया गया है।

चीतों की दो बड़ी खासियत यह भी....

नामीबिया व दक्षिण अफ्रीका से आने वाले चीतों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह इंसानों पर कभी हमला नहीं करता। आज तक के इतिहास में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला कि किसी भी चीते ने इंसान पर कभी अटैक किया हो। दूसरी खासियत यह है कि लायन, टाइगर जैसे जानवर चीतों पर हमला कर मार देते हैं। वह अपने शिकार पर हमला कई चीते एक साथ मिलकरकरते हैं। चीता काफी फुर्तीला होता है। इसलिए अपने शिकार को हर हाल में दबोच लेता है। दूसरे जानवर ऐसा नहीं कर पाते। चीते की रफ्तार 100 किमी प्रति घंटा तक होती है।